बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय
विद्या विहार, राय बरेली रोड, लखनऊ . 226 025
Babasaheb Bhimrao Ambedkar University
(A Central University)
Vidya Vihar, Raebareli Road, Lucknow-226 025

Ek Bharat Shreshtha Bharat
Gender Champions Committee & Committee of Basic Facilities for Women
SWACHATTA PAKHWADA
(01st to 15th Sep. 2021)

Best out of Waste Competition

(Dated: 08th Sep. 2021)

Report

Best out of Waste competition is organized under the joint aegis of Ek Bharat Shrestha Bharat Committee, Gender Champion Committee and Committee for Basic Facilities for Women under celebration of Azadi ka Amrut Mahotsav, Babasaheb Bhimrao Ambedkar University, Lucknow on 08th Sep. 2021. This competition was organized with the aim of developing the habit of making maximum use of limited resources by the students. The Jury of the competition included Prof. Jaya Srivastava and Dr. Baljeet Srivastava. The participants presented their models and told how their model can be used for the benefit of the society.

Patron of the program Prof. Sanjay Singh, Vice Chancellor of the University blessed the students for showcasing their talents.

Priyanka and Ankita Bhattacharya, research students of the Department of Environmental Science, presented a model of making compost from agricultural waste, which will not only give a good crop to the farmers but will also eliminate the environmental problems arising out of stubble burning.

Prachi Gupta of Rural Management created many decorative items on the concept of "Making Wealth out of Waste" which were made using old bottles, cups, wax and other non degradable waste. Prachi told that the goods prepared by her can be a source of income, all these goods which can be sold at good prices in the market.

DIT students Akash and Suraj made a board of the English alphabet to teach children and a lamp using electronic waste. Another student, Srishti Mishra, made a beautiful greeting card from old wedding cards.

Biotech student Chandni created a model using old newspaper, card board and thread that could be used to explain a complex topic to children in the classroom.

University's Gender Champion Himanshi Singh and Anurag Sharma contributed as volunteers in this competition. The Gender Champions said that the contest showcased the hidden talent and creative vision of the participants.

Prof. Shilpi Verma Chairperson, GCC, CBFW & AKAM stressed upon that these competitions utilize the energy of students in positive and constructive manner.

The competition was conducted by Dr. Monica Sharma. On this occasion, Prof. Naveen Kumar Arora, Nodal Officer of Ek Bharat Shrestha Bharat, Dr. Rachana Gangwar, member of the organizing committee, students and staff of the university were present. The programme was publicized through social media platforms of the University.

Winner of the Competition (Best out of Waste competition)

S. No	Name	Class	Sem.	Deptt.	Result
1.	Priyanka Verma & Ankita Bhattacharya	Ph.D	-	DES	1st
2.	Akash Srivastava	M.Sc. Cyber Security (Eve.)	3rd	DIT	2nd
3.	Chandni Kumari	M.Sc.	3rd	DBT	3rd
4.	Prachi Gupta	MBA (HR)	3rd	DRM	3rd

Chairperson
Prof. Shilpi Verma
CBFW, GCC &
Coordinator of the Program
Mob. No.- 8004000567
Email-Id: shipoo.lko@gmail.com

Some Glimpse of
Best Out of Waste Competition















Social Media





Press Release

दैनिक जागरण (आईबेक्स्ट)
(09/09/21)

बेकार को दे आकार बच्चों ने किया कमाल

बीबीएयू में बेकार सामान को अच्छा बनाने का कंपटीशन

LUCKNOW(8 SEPT): बाबा साहेब भीमराव आंबेडकर केंद्रीय विश्वविद्यालय की एक भारत श्रेष्ठ भारत समिति के संयोजन में जेंडर चैंपियन कमेटी और महिलाओं की मौलिक सुविधा समिति की ओर से बुधवार को बेकार सामान को अच्छा बनाने की प्रतियोगिता हुई. प्रतियोगिता के निर्णायक मंडल की प्रो. जया श्रीवास्तव और डा. बलजीत श्रीवास्तव ने बनाने गए माडलों की प्रदर्शनी का अवलोकन किया. पर्यावरण विज्ञान की शोध छात्रा प्रियंका और अंकिता भट्टाचार्य के पराली से बनने वाली खाद के माडल का प्रदर्शन किया. ग्रामीण प्रबंधन विभाग की प्राची गुप्ता ने पुरानी बोतल व कप का प्रयोग करके सजावटी सामान तैयार किया.



बीबीएयू में छात्राओं के बनाये मॉडल देखते शिक्षक और शिक्षिकाएं। फोटो : अमृत विचार

बीबीएयू में छात्राओं ने प्रस्तुत किया एग्रीकल्चरल वेस्ट से खाद बनाने का मॉडल

लखनऊ। बीबीएयू में एनवायर्नमेंटल साइंस डिपार्टमेंट की शोध छात्राओं ने एग्रीकल्चरल वेस्ट से खाद बनाने का मॉडल प्रस्तुत किया है, इसका सबसे बड़ा लाभ पर्यावरण को भी होगा। बुधवार को एक भारत श्रेष्ठ भारत कमिटी, जेंडर चैंपियन कमेटी और महिलाओं की मौलिक सुविधा समिति के संयुक्त तत्वावधान में बेस्ट आउट ऑफ वेस्ट प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में छात्रा प्रियंका और अंकिता भट्टाचार्य के मॉडल को सराहा गया। वहीं रूरल मैनेजमेंट की प्राची गुप्ता ने "मेकिंग वेल्थ आउट ऑफ वेस्ट" के कॉन्सेप्ट पर कई सारे सजावटी सामान बनाए जिन्हें पुरानी बोतल, कप, वैक्स व अन्य नॉन डिग्रेडेबल वेस्ट का प्रयोग करके तैयार किया गया। प्राची ने बताया कि उनके द्वारा तैयार सामान आय का एक साधन हो सकता है। संचालन डॉ. मोनिका ने किया। इस अवसर पर नोडल ऑफिसर प्रोफेसर नवीन कुमार अरोरा, आज़ादी का अमृत महोत्सव समिति की अध्यक्ष प्रोफेसर शिल्पी वर्मा, आयोजन मंडल की सदस्य डॉ रचना गंगवार, विवि के विद्यार्थी एवं कर्मचारी शामिल रहे। इस दौरान आईटी के छात्र आकाश और सूरज ने इलेक्ट्रॉनिक वेस्ट से लैंप और खराब कीबोर्ड से बच्चों को पढ़ाने के लिए अंग्रेज़ी वर्णमाला का एक बोर्ड बनाया। एक अन्य छात्रा सृष्टि मिश्रा ने शादी के पुराने कार्ड से सुंदर ग्रीटिंग कार्ड तैयार किया।

राष्ट्रीय सहारा (09/09/21)

बीबीएयू में छात्रों ने दिखाया हुनर

लखनऊ (एसएनबी)। बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय की एक भारत श्रेष्ठ भारत कमेटी, जेंडर चैंपियन कमेटी और महिलाओं की मौलिक सुविधा समिति के संयुक्त तत्वावधान में बुधवार को बेस्ट आउट ऑफ वेस्ट प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। यह प्रतियोगिता विद्यार्थियों में सीमित साधनों केउच्चतम उपयोग और रचनात्मक प्रतिभा के विकास के उद्देश्य से आयोजित की गई।



प्रतियोगिता के निर्णायक मंडल में प्रो. जया श्रीवास्तव और डा. बलजीत श्रीवास्तव शामिल रहे। एनवायर्नमेंटल साइंस डिपार्टमेंट की शोध छात्रा प्रियंका और अंकिता भट्टाचार्य एग्रीकल्चरल वेस्ट से खाद बनाने का मॉडल प्रस्तुत किया जो न सिर्फ किसानों को अच्छी फसल देगा बल्कि पराली जलाने से पैदा हो रही पर्यावरणीय समस्याओं को भी खत्म करेगा। रूरल मैनेजमेंट की प्राची गुप्ता ने 'मेकिंग वेल्थ आउट ऑफ वेस्ट' के कॉन्सेप्ट पर कई सारे सजावटी सामान बनाए जिन्हें पुरानी बोतल, कप, वैक्स व अन्य नॉन डिग्रेडेबल वेस्ट का प्रयोग करके तैयार किया गया।

प्राची ने बताया कि उनके द्वारा तैयार सामान आय का एक साधन हो सकता है, ये सभी सामान जो बाजार में अच्छी कीमतों पर बेचे जा सकते हैं। आईटी के छात्र आकाश और सूरज ने इलेक्ट्रॉनिक वेस्ट से लैंप और खराब कीबोर्ड से बच्चों को पढ़ाने के लिए अंग्रेजी वर्णमाला का एक बोर्ड बनाया। एक अन्य छात्रा सृष्टि मिश्रा ने शादी के पुराने कार्ड से सुंदर ग्रीटिंग कार्ड तैयार किया। बायोटेक की चांदनी ने पुराने अखबार, कार्ड बोर्ड और धागों के उपयोग कर एक मॉडल तैयार किया। विवि के जेंडर चैंपियन हिमांशी सिंह और अनुराग शर्मा ने इस कंपटीशन में वॉलिंटियर के तौर पर सहयोग दिया। इस अवसर पर प्रो. नवीन कुमार अरोरा, आजादी का अमृत महोत्सव समिति की अध्यक्ष प्रो. शिल्पी वर्मा, आयोजन मंडल की सदस्य डा. रचना गंगवार, विवि के विद्यार्थी एवं कर्मचारी उपस्थित थे।

अमर उजाला (माई सिटी) (09/09/21)

बीबीएयू : वेस्ट मैटेरियल से बनाए उपयोगी मॉडल

लखनऊ। बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय की एक भारत श्रेष्ठ भारत कमेटी, जेंडर चैंपियन कमेटी और महिलाओं की मौलिक सुविधा समिति के संयुक्त तत्वावधान में बुधवार को बेस्ट आउट ऑफ वेस्ट प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसमें विद्यार्थियों ने वेस्ट मैटेरियल से उपयोगी मॉडल बनाए। एनवायर्नमेंटल साइंस डिपार्टमेंट की शोध छात्रा प्रियंका और अंकिता भट्टाचार्य ने एग्रीकल्चरल वेस्ट से खाद बनाने का मॉडल प्रस्तुत किया, जो न सिर्फ किसानों को अच्छी फसल देगा बल्कि पराली जलाने से पैदा हो रही पर्यावरणीय समस्याओं को भी खत्म करेगा। रूरल मैनेजमेंट की प्राची गुप्ता ने मेकिंग वेल्थ आउट ऑफ वेस्ट के आधार पर कई सारे सजावटी सामान बनाए। वहीं आईटी के छात्र आकाश और सूरज ने इलेक्ट्रॉनिक वेस्ट से लैंप और खराब की-बोर्ड से बच्चों को पढ़ाने के लिए अंग्रेजी वर्णमाला का एक बोर्ड बनाया। छात्रा सृष्टि मिश्रा ने शादी के पुराने कार्ड से सुंदर ग्रीटिंग कार्ड तैयार किया था। बायोटेक की चांदनी ने पुराने अखबार, कार्ड, बोर्ड और धागों के उपयोग से एक मॉडल तैयार किया जिसका उपयोग कक्षा में बच्चों कोई जटिल विषय समझाने के लिए किया जा सकता है। (माई सिटी रिपोर्टर)

दैनिक जागरण (जागरण सिटी)
(09/09/21)

बेकार को दिया आकार

लखनऊ : बाबा साहेब भीमराव आंबेडकर केंद्रीय विश्वविद्यालय में बुधवार को बेकार सामान को अच्छा बनाने की प्रतियोगिता हुई। निर्णायक मंडल की प्रो. जया श्रीवास्तव और डा. बलजीत श्रीवास्तव ने बनाने गए मॉडलों की प्रदर्शनी का अवलोकन किया। पर्यावरण विज्ञान की शोध छात्रा प्रियंका और अंकिता भट्टाचार्य ने पराली से बनने वाली खाद के माडल का प्रदर्शन किया। ग्रामीण प्रबंधन विभाग की प्राची ने पुरानी बोतल का प्रयोग करके सजावटी सामान तैयार किया। (आर्स)